P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
E: ISSN NO.: 2349-980X Vol-III* Issue-XI*July-2016

दंतेवाड़ा जिले के अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता को प्रभावित करने वाले कारको का तुलनात्मक अध्ययन

मुकेश कुमार
असिस्टेन्ट प्रोफेसर,
वाणिज्य विभाग,
शासकीय दंतेश्वरी स्नाकोत्तर महाविद्यालय, छत्तीसगढ़

सारांश

दंतेवाड़ा का नाम यहॉ स्थित आदि शक्ति मॉ दंतेश्वरी के नाम पर रखा गया है। यह जिला छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले का दक्षिणी हिस्से पर स्थित है। जिले में शैक्षिक विकास हेतु कई संस्था संचालित है यथा – योजना का नाम – छु लो आसमान, नन्हे परिंदे, पोटाकेबिन, लक्ष्य, लाइवलीहुड कालेज, आस्था गुरूकुल गीदम, कन्या शिक्षा परिसर, सक्षम, एकलव्य कन्या आवासीय परिसर । अध्ययन का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता के प्रभावित करने वाले कारकों का तुलनातमक अध्ययन करना। इसके लिए दंतेवाड़ा जिले के अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति की सत्र 2015–16 में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं व 12 वीं में अध्ययनरत् 150 अनुसूचित जनजाति एवं 150 गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को शामिल किया गया। प्रस्तुत अध्ययन में बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का उनके माता– पिता के शैक्षिक स्थिति व व्यवसाय की प्रकृति से प्रत्यक्षतः संबंध का आभाव पाया गया ।दोनो समुदाय की बालिकाओं में निवास स्थिति का शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता से संबंध अवश्य कहा जा सकता है। प्रस्तुत अध्ययन में गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं की अपेक्षा अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में शैक्षिक जागरूकता के प्रति कारको का प्रभाव अधिक पाया गया।

मुख्य शब्द : एन.एम.डी. सी. – नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन, सी.बी. एस.ई. – सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेन्ड्री एजुकेशन, सी. एस. आर. – कॉरपोरेट सोशल रिसपांसिबलिटि

प्रस्तावना

दंतेवाड़ा का नाम यहॉ स्थित आदि शक्ति मॉ दंतेश्वरी के नाम पर रखा गया है। जिसका क्षेत्रफल 3410.50 वर्ग किमी. है। यह जिला छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले का दक्षिणी हिस्से पर स्थित है। यह जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ,जहॉ मुड़िया, माड़िया समुदाय की बाहुलता है। जिनके रहन–सहन में पारम्परिक जीवन शैली का बोध होता है। 2011 की जनगणना के अनुसार दंतेवाड़ा जिले की जनसंख्या 5,33,638 है, जिसमें 2,64,142 पुरूष व 2,69,496 महिला है। कुल जनसंख्या में 2,01,458 अनुसूचित जनजातियों की संख्या है, जिसमें ग्रामीण में 1,79,680 व नगरीय 21,778 क्षेत्र में निवास करतें है, अर्थात् कुल जनसंख्या में इनका प्रतिशत 71.06 है। जिले में औसत साक्षरता का प्रतिशत 42.12 है, इनमें पुरूष साक्षरता का प्रतिशत 51.92,जबकि महिला साक्षरता 32.54 है। यह जिला प्रायः माओवादी गतिविधियों के कारण सुर्खियों पर रहता है, फलतः यहॉ सामान्य क्षेत्रों की तरह शैक्षिक वातावरण की दरकार होती है, इसी परिप्रेक्ष्य में जिले में भले ही क्षेत्र विशेष के कारण नाम परिर्वतन कर अन्य नामों से शैक्षिक विकास हेतु कई संस्था संचालित है यथा – योजना का नाम – छु लो आसमान, नन्हे परिंदे, पोटाकेबिन, लक्ष्य, लाइवलीहुड कालेज, आस्था गुरूकुल गीदम, कन्या शिक्षा परिसर, सक्षम , एकलव्य कन्या आवासीय परिसर । इसमें प्राथमिक स्तर से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर पास तथा पढ़ाई छोड़ चुके बालक /बालिकाओं हेतु कैरियर संवारने हेतु अलग–अलग स्तर पर अलग– अलग नामों से संस्थाएँ संचालित है। जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नाकिंत है

नन्हे परिंदे

नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा कोचिंग केन्द्र।

पोटाकेबिन

शाला त्यागी, कमजोर आर्थिक स्थिति परिवार के बच्चों हेतू कक्षा पहली से आठवीं तक निःशुल्क आवासीय परिसर।

लाइवलीहुड कालेज

पढ़ाई छोड़ चुके बालक /बालिकाओं को स्वरोजगार हेतु कौशल प्रशिक्षण केन्द्र।

आस्था गुरूकुल गीदम

नक्सल पीड़ित बच्चों हेतू अंग्रेजी माध्यम निःशुल्क आवासीय विद्यालय।

कन्या शिक्षा परिसर

बालिका शिक्षा को विशेष बढ़ावा देने हेतु निःशुल्क आवासीय परिसर।

सक्षम

दिव्यांग बच्चों हेतु जिला प्रशासन व एन. एम. डी. सी. बैलाडिला द्वारा प्रायोजित गैर सरकारी संस्था।

लक्ष्य – प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु कोचिंग सेंटर।

उद्देश्य

1. अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता के प्रभावित करने वाले कारकों को जानना।
2. अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता के प्रभावित करने वाले कारकों का तुलनातमक अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध मे न्यादर्श चयन विधि द्वारा दंतेवाड़ा जिले के अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति की सत्र 2015–16 में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं व 12 वीं में अध्ययन करने वाली बालिकाओं का चयन चयन किया गया। जिसमे 150 अनुसूचित जनजाति एवं 150 गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को शामिल किया गया। इस प्रकार 300 उत्तरदाता (अजजा.–150, गैर अजजा–150) को चयनित किया गया।

चर

प्रस्तुत शोध मे स्वतंत्र चर निम्न है

1. अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाएँ
2. दंतेवाड़ा जिले में संचालित शैक्षिक योजनाएँ योजना का नाम – छु लो आसमान, नन्हे परिंदे, पोटाकेबिन, एजुकेशन सिटी, लक्ष्य, लाइवलीहुड कालेज, कन्या शिक्षा परिसर, सक्षम , एकलव्य कन्या आवासीय परिसर

अध्ययन कारक

माता–पिता की शैक्षिक स्थिति , व्यावसायिक स्थिति, निवासीय स्थिति , बालिकाओं में शिक्षा अध्ययन का उद्देश्य, पारिवारिक सहयोग की प्रकृति, पारिवारिक सहयोग की स्थिति।

परतंत्र चर

शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता स्तर का मापन

सांख्यिकीय विश्लेषण – काई वर्ग विधि

परिणाम एवं विवेचना

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता के कारकों अंर्तगत पिता के शैक्षणिक स्थिति, माता के शैक्षणिक स्थिति, पिता की व्यावसायिक स्थिति, माता की व्यावसायिक स्थिति, पारिवारिक सहयोग की प्रकृति,पारिवारिक सहयोग की स्थिति, निवासीय स्थिति ,अध्ययन के उद्देश्य कारको के आधार पर दोनों समुदाय की बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता के का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। जिनका विवरण निम्नाकिंत है

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं के पिता की शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन

प्रस्तुत अध्ययन में अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं पिता के शैक्षणिक स्थिति को अध्ययन के सुविधानुसार चार समुह यथा– निरक्षर, प्राथमिक, हाईस्कुल, उच्च शिक्षा में समुहीकृत कर अध्ययन किया गया है, जिसमें पाया गया कि निरक्षर में अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति की क्रमशः 73 व 41 है। प्राथमिक स्तर पर क्रमशः 28 एवं 55 तथा हाईस्कुल स्तर पर क्रमशः 30 व 41 है, इसी प्रकार उच्च शिक्षा प्राप्त पिता की संख्या 19 व 13 है । उक्त ऑकड़े अग्राकिंत सारणी क्र. 01 द्वारा दर्शित है

तालिका क्र 01

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं के पिता की शैक्षणिक स्थिति के आधार पर उनकी शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

पिता का शैक्षणिक स्तर	समुदाय	समुदाय संख्या	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
निरक्षर	अजजा	73	47 (45.29)	24(1.51)	1 (16.30)	1(16.30)	3	79.4	.01
	गैर अजजा	41	32(46.15)	7(1.03)	2(6.64)	0(10.25)	3	64.07	.01
प्राथमिक / माध्यमिक	अजजा	28	13(0.02)	3(22.91)	9(1.64)	3(8.40)	3	32.00	.01
	गैर अजजा	55	43(62.22)	10(1.02)	2(10.04)	0(13.75)	3	87.03	.01
उच्चतर माध्यमिक	अजजा	30	17(12.03)	10(8.33)	3(2.7)	0(7.5)	3	30.56	.01
	गैर अजजा	41	31(42.00)	7(1.03)	1(8.34)	2(6.64)	3	58.01	.01
उच्च शिक्षा	अजजा	19	9 (3.80)	7(1.06)	3(0.64)	0(4.75)	3	10.25	.05
	गैर अजजा	13	10(14.01)	3(0.01)	0(3.25)	0(3.25)	3	20.52	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , ( ) कोष्ठक का मान काई वर्ग गणनीय मूल्य
स्वातंत्र्य अंश – 3,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका में अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं के पिता की शैक्षणिक स्थिति को उनकी बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता स्तर का स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05 पर काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है। जिसमें पाया गया कि पिता के सभी शैक्षिक स्तर पर दोनों समुदाय की बालिकाओं में निम्न जागरूकता का प्रतिशत सर्वाधिक एवं सबसे कम अच्छा व बहुत अच्छा जागरूकता स्तर का प्रतिशत है। कुछ शैक्षिक स्तर पर बहुत अच्छा जागरूकता वर्ग में एक भी बालिका नही पाया गया।

संक्षेपतः कहा जा सकता है कि पिता के शैक्षिक स्तर का बालिकाओं के शैक्षिक जागरूकता के संबंध को नकारा नही जा सकता।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं के माता की शैक्षणिक स्थिति का अध्ययन

इसके अंतर्गत बालिकाओं के माताओं की शैक्षणिक स्थिति अध्ययन में पाया गया कि निरक्षर में अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति की क्रमशः 114 व 80 है। प्राथमिक स्तर पर क्रमशः 22 एवं 41 तथा हाईस्कुल स्तर पर क्रमशः 07 व 22 है, इसी प्रकार उच्च शिक्षा प्राप्त माता की संख्या 07 है । उक्त ऑकड़े अग्राकिंत सारणी क्र. 02 द्वारा दर्शित है।

सारणी क्र. 02

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में माता की शैक्षणिक स्थिति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

माता का शैक्षणिक स्तर	समुदाय	संख्या समुदाय	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
निरक्षर	अजजा	114	73 (69.48)	36(1.97)	4 (21.06)	1 (26.53)	3	119.04	.01
	गैर अजजा	80	63(92.45)	14(1.8)	3(14.45)	0 (20.00)	3	128.70	.01
प्राथमिक / माध्यमिक	अजजा	22	15(16.40)	3(1.13)	3(1.13)	3(3.68)	3	22.34	.01
	गैर अजजा	41	32(45.62)	7(1.03)	1(8.34)	1(8.34)	3	63.33	.01
उच्चतर माध्यमिक	अजजा	07	1(0.32)	5(6.03)	1(0.32)	0(1.75)	3	08.42	.05
	गैर अजजा	22	16(20.04)	4(0.40)	1(3.68)	1(3.68)	3	27.80	.01
उच्च शिक्षा	अजजा	7	3 (0.89)	3(0.89)	1(0.32)	0(1.75)	3	03.85	.05
	गैर अजजा	7	5(6.03)	2(0.03)	0(1.75)	0(1.75)	3	09.56	.05

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य
स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में माता की व्यवसाय के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05 पर काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है।

जिसमें स्पष्ट है कि माता के सभी शैक्षिक स्तर पर कमोबेश निम्न जागरूकता का प्रतिशत सर्वाधिक एवं सबसे कम अच्छा व बहुत अच्छा जागरूकता स्तर का प्रतिशत है। कुछ शैक्षिक स्तर पर बहुत अच्छा जागरूकता का एक भी बालिका नही पाया गया संक्षेपतः कहा जा सकता है कि माता के शैक्षिक स्तर का बालिकाओं के शैक्षिक जागरूकता के संबंध परिलक्षित होता है।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं के पिता की व्यावसायिक स्थिति

प्रस्तुत अध्ययन में पाया गया कि व्यावसायिक स्थिति अतंर्गत अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं के पिताओं में से क्रमशः 30 व 17 लोग नौकरी, 10 और 34 लोग व्यवसाय, तथा 93 ,96 लोग मजदुरी करतें हैं शेष 12 व 02 लोग अन्य कोई कार्य करतें है, किंतु अनुसूचित जनजाति 05 एवं गैर अनुसूचित जनजाति के 01 ऐसे बालिकाएँ हैं, जिनके पिता जीवित नही है, फलतः अजजा के 145 व गैर अजजा के 149 बालिकाओं के पिता की व्यवसायिक स्थिति का उल्लेख किया गया है। उक्त विवरण को निम्नाकिंत सारणी क्र. 03 द्वारा दर्शाया गया है

सारणी क्र. 03

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में पिता की व्यवसाय के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

पिता का व्यवसाय	समुदाय	संख्या समुदाय	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	ब्हुत अच्छा			
नौकरी	अजजा	30	17 (12.03)	9(0.03)	4 (1.63)	0 (7.5)	3	21.46	.01
	गैर अजजा	17	11(10.72)	4(0.01)	0(4.25)	2 (1.19)	3	16.17	.01
व्यवसाय	अजजा	10	7(8.01)	2(0.1)	1(0.9)	0(2.5)	3	11.60	.05
	गैर अजजा	34	28(44.73)	6(0.73)	0(8.5)	0(8.5)	3	62.46	.01
मजदुरी	अजजा	93	63(67.95)	25(0.13)	4(15.93)	1(21.29)	3	105.3	.05

	गैर अजजा	96	75(108.37)	16(2.66)	5(15.04)	0(24)	3	150.07	.05
अन्य	अजजा	12	3 (0)	8(8.33)	0(3)	1(1.33)	3	12.66	.01
	गैर अजजा	02	1(0.5)	1(0.5)	0(0.5)	0(0.5)	3	02.00	.05

स्रोत–तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य
स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में पिता की व्यवसाय के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर . 01, .05 पर काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है।

उपरोक्तानुसार कह सकते हैं कि पिता की व्यावसायिक स्थिति से जागरूकता का प्रत्यक्ष संबंध का आभाव पाया गया, जैसा कि अन्य कार्य करने वाले पिता के बालिकाओं में सर्वाधिक संख्या सामान्य जागरूकता का प्रतिशत है।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं के माता की व्यावसायिक स्थिति

प्रस्तुत अध्ययन में पाया गया कि व्यावसायिक स्थिति अतंर्गत अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं के 07–07 माताएँ नौकरी, दोनों समुदाय के 06 – 06 माताएँ व्यवसाय, तथा क्रमशः दोनो समुदाय की 93 ,77 माताएँ मजदुरी करतीं हैं शेष 44 व 60 लोग अन्य तरह के कार्य करतें है , यद्यपि गैर जनजाति की अपेक्षा अनुसूचित जनजाति की संख्या अधिक है , निम्न जातरूकता स्तर में भी इनकी संख्या अधिक है। उक्त विवरण को निम्नाकिंत सारणी क्र. 04 द्वारा दर्शाया गया है

सारणी क्र. 04
अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में माता की व्यवसाय के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

माता का व्यवसाय	समुदाय	संख्या समुदाय	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
नौकरी	अजजा	07	2 (0.03)	5(6.03)	0 (1.75)	0 (1.75)	3	09.56	.01
	गैर अजजा	07	5(6.03)	2(0.03)	0(1.75)	0 (1.75)	3	09.56	.01
व्यवसाय	अजजा	06	3(1.5)	2(0.16)	1(0.16)	0(1.5)	3	3.32	.05
	गैर अजजा	06	5(8.1)	1(0.16)	0(1.5)	0(1.5)	3	11.26	.01
मजदुरी	अजजा	93	61(61.29)	24(0.02)	6(12.79)	2(19.42)	3	93.52	.01
	गैर अजजा	77	64(104.02)	10(4.44)	3(13.71)	0(19.25)	3	141.42	.01
अन्य	अजजा	44	26 (20.45)	16(2.27)	2(7.36)	0(11.00)	3	41.08	.01
	गैर अजजा	60	42(48.6)	14(0.06)	2(11.26)	2(11.26)	3	71.18	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य
स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में माता की व्यवसाय के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है। उपरोक्त विवेचना के आधार पर कह सकते हैं कि माता की व्यावसायिक स्थिति से जागरूकता का प्रत्यक्ष संबंध का आभाव पाया गया, जैसे नौकरी करने वाले माता के बालिकाओं में सर्वाधिक प्रतिशत सामान्य जागरूकता का पाया गया।

इसी प्रकार व्यवसाय करने वाले गैर अनुसूचित जनजाति समुदाय के माता के बालिकाओं में अच्छा, व बहुत अच्छा जागरूकता स्तर पर एक भी बालिका नही पाया गया।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं को परिवार से शैक्षिक सहयोग की स्थिति

इसके तहत् अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को शिक्षा अध्ययन हेतु घर परिवार के सदस्यों यथा माता –पिता, भाई–बहन, या सभी से मिलने वाले सहयोग की स्थिति का विवेचना किया गया है, जिसमें पाया गया कि माता– पिता से सहयोग प्राप्त करने वाले बालिकाओं में अनुसूचित जनजाति की 76 व गैर अनुसूचित जनजाति की 56 है भाई–बहन, से सहयोग से सहयोग प्राप्त क्रमशः 60 व 11 है। जबकि सभी प्रकार से सहयोग प्राप्त क्रमशः 11 व 83 है। उक्त ऑकड़े सारणी क्र. 05 द्वारा अधोदर्शित है

सारणी क. 05

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में शिक्षा हेतु प्राप्त पारिवारिक सहयोग के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

पारिवारिक सहयोग	समुदाय	समुदाय संख्या	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
माता –पिता	अजजा	76	46 (38.36)	24(1.31)	5 (10.31)	01 (17.05)	3	67.03	.01
	गैर अजजा	56	45(68.64)	9(6.25)	2(10.28)	0 (14.0)	3	99.17	.01
भाई–बहन	अजजा	60	37(32.26)	18(0.60)	4(8.06)	1(13.06)	3	53.98	.01
	गैर अजजा	11	8(10.02)	2(0.20)	1(1.11)	0(2.75)	3	14.26	.01
सभी	अजजा	14	9(8.64)	5(0.64)	0(3.5)	0(3.5)	3	16.28	.01
	गैर अजजा	83	63(86.02)	16(1.08)	2(16.94)	2(16.94)	3	120.98	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य

स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं को शिक्षा हेतु प्राप्त होने वाले पारिवारिक सहयोग की प्रकृति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है।

उपरोक्त विवेचना से स्पष्ट है कि अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को पारिवारिक सहयोग अंतर्गत सभी प्रकार का सहयोग अधिक प्राप्त होता है। फलतः गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं में जागरूकता स्तर अधिक पाया गया।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं को परिवार से शैक्षिक सहयोग की प्रकृति

इसके तहत् अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को शिक्षा अध्ययन हेतु घर परिवार प्राप्त सहयोग की प्रकृति अर्थात् आर्थिक, मानसिक व उक्त सभी प्रकार के सहयोग का विवेचना किया गया है, जिसमें पाया गया कि केवल आर्थिक सहयोग प्राप्त करने वाले बालिकाओं में अनुसूचित जनजाति की 107 व गैर अनुसूचित जनजाति की 08 है । मानसिक सहयोग प्राप्त करने वाले बालिकाओं की संख्या क्रमशः 29 व 13 है। जबकि दोनों प्रकार से सहयोग प्राप्त करने वाले बालिकाओं की संख्या अनुसूचित जनजाति की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति की संख्या बहुत अधिक है, जो क्रमशः 14 व 129 है। उक्त ऑकड़े सारणी क्र. 06 द्वारा अधोदर्शित है

सारणी क. 06

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में शिक्षा हेतु प्राप्त पारिवारिक सहयोगकी प्रकृति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

पारिवारिक सहयोग	समुदाय	समुदाय संख्या	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2 मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
आर्थिक	अजजा	107	71 (73.19)	29(0.18)	6 (16.09)	01 (24.78)	3	114.24	.01
	गैर अजजा	08	4(2.00)	4(2.00)	0(2.00)	0 (2.00)	3	08.00	.05
1 ण0म ानसिक	अजजा	29	14(6.28)	11(1.93)	3(2.49)	1(5.38)	3	16.08	.01
	गैर अजजा	13	11(18.48)	2(0.48)	0(3.25)	0(3.25)	3	25.46	.01
दोनों	अजजा	14	7(3.50)	7(3.50)	0(3.50)	0(3.50)	3	14.00	.01
	गैर अजजा	129	101(146.56)	21(3.92)	5(23.02)	2(28.37)	3	201.78	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य

स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01, .05

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं को शिक्षा हेतु प्राप्त होने वाले पारिवारिक सहयोग की प्रकृति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है जिसमे सर्वाधिक संख्या दोनों प्रकार से सहयोग प्राप्त करने वाले गैर अनुसूचित जनजाति की है, इसी प्रकार केवल आर्थिक प्रकार से सहयोग प्राप्त करने वाले गैर अनुसूचित जनजाति की है, यद्यपि इनमें निम्न जागरूकता की संख्या अधिक है।

उपरोक्त विवेचना से स्पष्ट है कि अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं को पारिवारिक सहयोग अंतर्गत दोनो प्रकार का सहयोग अधिक प्राप्त होता है। फलतः गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं में जागरूकता स्तर अधिक पाया गया।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं की निवास स्थिति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

इसके तहत् अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं की निवास स्थिति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन विवेचना किया गया है, जिसमें पाया गया कि अति दुरस्थ क्षेत्र जहॉ प्रायः मूलभूत सुविधाओं का आभाव होता है, ऐसे क्षेत्र में निवासरत बालिकाओं में अनुसूचित जनजाति की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति की संख्या कम है, जो क्रमशः 60 व 34 है । सामान्य गॉव जहॉ कि अक्सर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता होती है गॉव में निवासरत बालिकाओं में अनुसूचित जनजाति की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति की संख्या अधिक है, जो क्रमशः 63 व 83 है । इसी प्रकार नगरीय क्षेत्र अर्थात् जहॉ मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ–साथ बच्चों के मनोरंजन व खेलकुद हेतु अतिरिक्त सुविधा होती है, ऐसे क्षेत्र में निवासरत् बालिकाओं में अनुसूचित जनजाति की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति की संख्या अधिक है, यद्यपि संख्यातंर कम है, जो क्रमशः 27 व 33 है । उक्त ऑकड़े सारणी क्र. 07 द्वारा अधोदर्शित है

सारणी क्र. 07

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में निवास स्थिति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

निवास स्थिति	समुदाय	समुदाय संख्या	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
दुरस्थ क्षेत्र	अजजा	60	35 (26.66)	22(3.26)	3 (9.6)	0 (15)	3	54.52	.01
	गैर अजजा	34	31(59.55)	3(3.55)	1(6.61)	0 (8.5)	3	154.71	.01
सामान्य गॉव	अजजा	63	41(40.48)	17(0.09)	4(8.76)	1(13.81)	3	63.14	.01
	गैर अजजा	85	61(55.65)	19(0.23)	4(14.00)	1(19.29)	3	89.17	.01
नगर	अजजा	27	16(12.67)	8(0.23)	2(3.34)	1(4.89)	3	21.13	.01
	गैर अजजा	31	24(35.07)	5(0.97)	0(7.75)	1(5.87)	3	49.66	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य
स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में निवास स्थिति के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है जिसमे सर्वाधिक संख्या सामान्य गॉव में रहने वाले दोनो समुदाय की संख्या है , अनुसूचित जनजाति की अपेक्षा गैर अनुसूचित जनजाति की संख्या अधिक है।

उक्त विवेचना के आधार पर कह सकते है कि निवास स्थिति का जागरूकता स्तर से संबंध है। इसका प्रभाव दोनो समुदाय की बालिकाओ पर पाया गया।

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति बालिकाओं में अध्ययन के उद्देश्य के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

अनुसूचित जनजाति तथा गैर अनुसूचित जनजाति के बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता को **अध्ययन के उद्देश्य के** साथ अध्ययन किया गया है। जिसमें पाया गया कि अधिकांश बालिकाओं का अध्ययन का उद्देश्य शासकीय नौकरी करना है, बावजुद इसके अपेक्षानुरूप जागरूकता स्तर का आभाव पाया गया। प्रस्तुत शोध में नौकरी करने वाले की संख्या क्रमशः 133 व 130 है। सबसे कम उद्देश्य व्यवसाय करने वालों की संख्या है। उक्त ऑकड़ो का विवरण निम्नाकिंत तालिका क्र. 08 द्वारा दर्शाया गया है।

सारणी क्र. 08

अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में अध्ययन के उद्देश्य के आधार पर शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य	समुदाय	समुदाय संख्या	जागरूकता स्तर				स्वातंत्र्य अंश	χ^2मान	सार्थकता स्तर
			निम्न	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा			
नौकरी	अजजा	133	80 (65.73)	42(2.30)	9 (17.68)	02 (29.37)	3	115.08	.01
	गैर अजजा	130	100(140.19)	23(2.77)	5(23.26)	2 (28.62)	3	194.84	.01
व्यवसाय	अजजा	01	1(2.25)	0(0.25)	0(0.25)	0(0.25)	3	03.00	.10
	गैर अजजा	05	3(2.45)	2(0.45)	0(1.25)	0(1.25)	3	05.40	.10
अन्य	अजजा	16	11(12.25)	5(0.25)	0(4.00)	0(4.00)	3	20.50	.01
	गैर अजजा	15	13(22.81)	2(0.81)	0(3.75)	0(3.75)	3	31.12	.01

स्रोत– तथ्य संकलन से प्राप्त , कोष्ठक के मान काई वर्ग गणनीय मुल्य
स्वातंत्रय अंश – 3 ,सार्थकता स्तर .01

उक्त तालिका अनुसूचित जनजाति व गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में अध्ययन के उदृदेश्य के आधार पर शैक्षिक योजनाओं की जागरूकता का काई वर्ग टेस्ट द्वारा विश्लेषित किया गया है जिसमे नौकरी करने का उद्देश्य रखने वाले बालिकाओं की सर्वाधिक संख्या है ,उपरोक्तानुसार कहा जा सकता है कि अध्ययन के उद्देश्य का जागरूकता स्तर से संबंध को नकारा नही जा सकता।

निष्कर्ष एवं सुझाव

यद्यपि दंतेवाड़ा जिले में केन्द्र व राज्य सरकार के शैक्षिक योजनाओं के उचित कियान्वयन किया जा रहा है। फलतः क्षेत्रवासियों को बेहतर शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन पुरी टीम के साथ जुटी हुई है। प्रस्तुत अध्ययन में बालिकाओं में शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता का उनके माता– पिता के शैक्षिक स्थिति व व्यवसाय की प्रकृति से प्रत्यक्षतः संबंध का आभाव पाया गया । निवास स्थिति का शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता से संबंध अवश्य कहा जा सकता है। बच्चों के अध्ययन अध्यापन में माता– पिता व परिवार के सदस्यों का सहयोग भी अहम् होता है, जिसके कारण बच्चे स्वंतत्र मस्तिष्क से पढ़ाई कर पाता है, बिना पारिवारिक सहयोग से अध्ययन में अनेक कठिनाई व बाधाएँ होती है। जो एकाएक उस अवस्था के बच्चों को दुर करने में असमर्थ होतें है।

सांराशतः प्रस्तुत अध्ययन में गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं की अपेक्षा अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में शैक्षिक जागरूकता के प्रति कारको का प्रभाव अधिक पाया गया।

अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं में शैक्षिक जागरूकता बढ़ाने हेतु इस दिशा में निरंतर ठोस कदम जैसे इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर लगने वाले हाट बाजारों के माध्यम से योजनाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान की जानी चाहिए इसके अलावा स्थानीय स्तर क्षेत्रीय भाषा में नुक्कड़ नाटकों आदि से भी शिक्षा की महत्ता को लोगों तक पहॅचाने की पहल की जानी चाहिए। इसी प्रकार स्थानीय स्तर पर स्नातक या अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त बालक/बालिकाओ का समिति बनाने चाहिए, जो हाईस्कुल या हायर सेकेन्डरी स्तर में अध्ययनरत् छात्रों का ध्यान रखकर उन्हे शासन की शैक्षिक योजनाओ के प्रति वांछित जागरूकता पैदा करें एवं उसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को दिए जाने की पहल होनी चाहिए। विभिन्न शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश के समय गॉवो में कोटवार के माध्यम से मुनादी कराकर जन सामान्य तक सुचना प्रसारित की जानी चाहिए। इससे बच्चों के साथ– साथ अभिभावकों को भी वांछित जानकारी प्राप्त हो सकती है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. शुक्ल हीरालाल (2010) प्राचीन बस्तर अर्थात् दण्डकारण्य का सांस्कृतिक इतिहास ,विश्वभारती प्रकाशन नागपुर ।
2. यादव एवं मालवीय (2010) उभरते हुए भारतीय सामाजिक – व्यवस्था में शिक्षा शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद ।
3. कोल मिताली (2012) ,महिला सशक्तीकरण दशा एवं दिशा गायत्री पब्लिकेशन्स रीवा म.प्र. ।
4. झा और नैयर (2014) छत्तीसगढ़ समग्र छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी रायपुर ।
5. अग्रवाल एवं पाण्डेय (2015) सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी, एस.बी. पी. डी. पब्लिशिग हाऊस आगरा म.प्र.।
6. कार्यालय .जिला प्रशासन दंतेवाड़ा ।
7. पुष्पा (2016) अप्रकाशित पी.एच.डी शोध प्रंबध पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ.ग.।